अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 121 | श्री विजय पुरम, रविवार, 04 मई 2025 | web: www. and.nic.in | 2.00 रुपए

मुख्य सचिव ने रंगत और लॉन्ग आइलैंड में विकास पहल की समीक्षा की

रंगत 3 मई।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) ने 3 मई, 2025 को रंगत का आधिकारिक दौरा किया, ताकि चल रही विकास गतिविधियों की समीक्षा की जा सके और समावेशी एवं उत्तरदायी शासन के लिए प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता के भाग के रूप में स्थानीय हितधारकों के साथ बातचीत की जा सके।

दौरे के दौरान, मुख्य सचिव ने उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त, सचिव (पीडब्ल्यूडी/जहाजरानी), सचिव (सूचना, प्रचार एवं पर्यटन/सीए) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्यों और कार्यालय प्रमुखों के साथ एक व्यापक बैठक बुलाई। पीआरआई सदस्यों ने प्रमुख विकासात्मक मुद्दों और स्थानीय चिंताओं पर प्रकाश डाला, जिन्हें मुख्य सचिव ने धैर्यपूर्वक सुना और उचित माध्यमों से आवश्यक निवारण का आश्वासन दिया।

बातचीत के बाद, मुख्य सचिव ने रंगत में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित किए जा रहे कौशल विकास पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत की।

मुख्य सचिव ने रंगत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों और पैरा–मेडिकल स्टाफ के साथ चर्चा की, जिसमें विशेष रूप से बायोमेडिकल कचरे के प्रबंधन और निपटान पर ध्यान केंद्रित किया गया। अपने क्षेत्र के आकलन के भाग के रूप में, उन्होंने पर्यटन विकास की अपनी क्षमता का पता लगाने और संबंधित बुनियादी ढांचे एवं सुविधाओं को बढ़ाने की गुंजाइश का आकलन करने के लिए नीम्बूतला में रमन बगीचा सागर तट का भी दौरा किया।

बाद में, मुख्य सचिव लॉन्ग आइलैंड गए, जहां उन्होंने आगामी फुटपाथों की नींव रखी और जिला परिषद द्वारा विकसित नवनिर्मित फुटपाथों का उद्घाटन किया। इन मार्गों से स्थानीय बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि और द्वीप के निवासियों के लिए आवागमन में आसानी होने की उम्मीद है।

उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरे ने क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के सक्रिय दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया कि विकास क्षेत्र के सबसे दूरदराज़ के कोनों तक पहुंचे।

दक्षिण अण्डमान में 493 हेक्टेयर सरकारी भूमि की बहाली का आदेश

श्री विजय पुरम 3 मई।

दक्षिण अण्डमान जिला प्रशासन ने नॉर्थ बे, मिनी बे, मीठाखाड़ी और बम्बूफ्लाट के गांवों में स्थित 493 हेक्टेयर सरकारी भूमि के लिए भूमि बहाली आदेश जारी किया है। यह भूमि, जो पहले अण्डमान प्लांटेशन को दी गई थी, अब सरकारी राजस्व खाते में वापस कर दी जाएगी।

यह आदेश पिछले 15 वर्षों से न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर जिला प्रशासन द्वारा लंबे समय से लंबित कानूनी लड़ाई के समापन का प्रतीक है। प्रशासन के लगातार प्रयासों से इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक भूमि संपत्ति का सफल पुनर्ग्रहण हुआ है। बहाली आदेश के अनुसार, दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त ने श्री विजय पुरम और फरारगंज तहसीलों के तहसीलदारों को भूमि की बहाल स्थिति को दर्शाने के लिए भूमि अभिलेखों में आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया है।

यह निर्णायक कार्रवाई सरकारी भूमि की सुरक्षा और भू–प्रशासन में उचित रिकॉर्ड प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। दक्षिण अण्डमान जिले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि अधिक जानकारी के लिए कृपया दक्षिण अण्डमान जिले के उपायुक्त कार्यालय, 03192–233089, जिला नियंत्रण कक्ष–03192–240127/238881/1070 या व्हाट्सएप नंबर 9531888844 पर संपर्क करें।

अवैध रूप से मिट्टी निकालने और डंप करने वालों पर जुर्माना लगाया गया

अवैध खनन, मिट्टी की ढुलाई और अनाधिकृत डंपिंग में लिप्त ऐसे सभी बेईमान तत्वों को कड़ी चेतावनी

श्री विजय पुरम 3 मई।

दक्षिण अण्डमान जिला प्रशासन ने उन उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जो अवैध रूप से मिट्टी निकालने में लिप्त थे और भूमि राजस्व नियमों का उल्लंघन करते हुए मिट्टी डंप कर रहे थे।

पहाड़गांव गांव में हाल ही में किए गए एक फील्ड निरीक्षण के दौरान, राजस्व अधिकारियों ने मिट्टी निकालने और डंप करने से जुड़ी अनधिकृत गतिविधियों का पता लगाया। उल्लंघन करने वालों पर 65,600 रुपये का जुर्माना लगाया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लम्बा लाइन गांव में एक अलग निरीक्षण में, राजस्व अधिकारियों ने इसी तरह के उल्लंघन पाए। अनधिकृत रूप से मिट्टी निकालने और डंप करने के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर 24,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कुल मिलाकर, पहाड़गांव और लम्बा लाइन दोनों गांवों में अपेक्षित अनुमति के बिना लगभग 162 क्यूबिक मीटर मिट्टी अवैध रूप से निकाली गई थी।

उपायुक्त ने अवैध खनन, मिट्टी की ढुलाई और अनाधिकृत डंपिंग में लिप्त ऐसे सभी बेईमान तत्वों को कड़ी चेतावनी दी है। साथ ही दक्षिण अण्डमान जिला प्रशासन दोहराता है कि ऐसी अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कानून अपना काम करेगा और जो लोग इसे दरकिनार करने का प्रयास करेंगे, उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।

दक्षिण अण्डमान जिले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में आम जनता को सलाह दी गई है कि वे भूमि उपयोग, खनन और सामग्री की आवाजाही से संबंधित सभी कानूनी प्रावधानों का पालन करें। मिट्टी और खनिजों के अवैध डंपिंग, खनन या परिवहन से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष को नामित हेल्पलाइन नंबर 03192–240127/238881/1070 पर या व्हाट्सएप पर 9531888844 पर दी जा सकती है। दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन आश्वासन देता है कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

द्वीपों में खगोल पर्यटन के विशिष्ट खंड को प्रोत्साहन

कार्बाइंस कोव तट पर खगोलीय चमत्कारों ने आगंतुकों को चकित कर दिया

श्री विजय पुरम, 3 मई।

यहां के लोकप्रिय कार्बाइंस कोव सागर तट पर आने वाले आगंतुकों को आज एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला खगोलीय अनुभव मिला, क्योंकि शक्तिशाली दूरबीनों की रोशनी में आसमान एक प्राकृतिक वेधशाला में बदल गया। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग द्वारा अण्डमान स्टारगेज़िंग के सहयोग से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में खगोल पर्यटन के विशिष्ट खंड का अनावरण किया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवस के साथ भी मेल खाता है।

हमारे संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार इस पहल ने बच्चों, छात्रों, परिवारों और पर्यटकों जैसे सभी क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित किया, जो उत्सुकता से समुद्र तट के किनारे एकत्र हुए, उनके चेहरे आश्चर्य और जिज्ञासा से चमक रहे थे। पेशेवर–ग्रेड दूरबीनों के माध्यम से, प्रतिभागियों को चंद्रमा के क्रेटर, दूर के सितारों और बृहस्पति जैसे दृश्यमान ग्रहों को उत्कृष्ट विस्तार से देखने का दुर्लभ अवसर मिला। लुभावने नज़ारों के अलावा, यह कार्यक्रम जो आगंतुकों के लिए निःशुल्क था, एक शैक्षणिक उद्देश्य भी पूरा करता था। आकाश को निहारने वालों के लिए, यह उनके ज्ञान को गहरा करने और ब्रह्मांड के प्रति जुनून रखने वाले अन्य लोगों के साथ जुड़ने का एक समृद्ध अवसर था। आम आदमी के लिए, जिसमें कई पहली बार देखने वाले लोग भी शामिल थे, यह ब्रह्मांड की सुंदरता और रहस्य का एक शक्तिशाली अनुस्मारक था, एक ऐसा अनुभव जिसने विज्ञान को विस्मय के साथ मिश्रित किया।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह, अपने प्राचीन, प्रदूषण रहित आकाश और भूमध्य रेखा के पास भौगोलिक लाभ के साथ, देश में खगोलीय अवलोकन के लिए सबसे आदर्श स्थानों में से एक प्रदान करता है। इस क्षमता का दोहन करके, पर्यटन विभाग न केवल द्वीपों के आकर्षण में एक नया आयाम जोड़ रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं को मार्गदर्शन, उपकरण संचालन और वैज्ञानिक शिक्षा के माध्यम से खगोल पर्यटन में शामिल होने के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

यह पहल अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह को तारों को देखने और खगोल फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का वादा करती है, साथ ही साथ स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाती है, वैज्ञानिक जिज्ञासा का पोषण करती है और ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देती है। चंद्रमा और बृहस्पति को देखने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए, पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने टिप्पणी की कि यह एक तरह का अनुभव था, जहां उन्हें खुली हवा में और इतने अद्भुत स्पष्ट आकाश में खगोलीय पिंडों को देखने का अवसर मिला। अण्डमान स्टारगेज़िंग की टीम मददगार थी क्योंकि उन्होंने आगंतुकों का मार्गदर्शन किया और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। रात में सभी आगंतुकों के लिए तारों को देखने के लिए एक आदर्श माहौल प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को देखा और वे बहुत प्रसन्न हुए। खगोलीय पिंडों को देखने की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल पर तीन दूरबीनें लगाई गई थीं।

शादीपुर सामुदायिक भवन में आपदा तैयारी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 3 मई।

वार्ड समुदाय की क्षमता बढ़ाने के लिए आपदा प्रबंधन निदेशालय ने स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं तथा नगरपालिका परिषद के साथ मिलकर आज यहां के शादीपुर सामुदायिक भवन में संवेदीग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 70–80 समुदाय के निवासियों, वार्ड पार्षद, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को आवश्यक ज्ञान एवं कौशल से लैस करना था, ताकि वे आपात स्थितियों एवं आपदाओं से निपट सकें। अधिकारी ने भूकंप, भूस्खलन एवं चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति क्षेत्र की संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला तथा आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों एवं आपदाओं के दौरान आपातकालीन किट ले जाने के महत्व के बारे में भी जागरूकता फैलाई। स्वास्थ्य विभाग ने बुनियादी चिकित्सा ज्ञान एवं प्राथमिक चिकित्सा किट के महत्व पर ज़ोर दिया।

आपदा प्रबंधन निदेशालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर ने सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का संक्षिप्त विवरण दिया तथा आपातकालीन स्थितियों में तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता पर बल दिया। अग्निशमन विभाग ने घरेलू अग्निशामक तकनीकों का प्रदर्शन किया और अग्नि सुरक्षा एवं आग बुझाने के तरीकों पर बुनियादी जानकारी प्रदान की। अधिकारियों द्वारा की गई प्रस्तुति को ग्रामीणों ने खूब सराहा, जिन्होंने आग को रोकने और उसका जवाब देने के बारे में बहुमूल्य सुझाव सीखे। वार्ड पार्षद ने कार्यक्रम के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक मूल्यवान पहल है जिससे स्थानीय समुदाय को लाभ होगा। पार्षद ने आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया। एसपीवीएमसी के नोडल अधिकारी (आपदा प्रबंधन) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऊर्जा है तरक्की का मूल, इसकी किफायत ना जाना भूल।

टुसनाबाद ग्राम पंचायत में नई ग्राम पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया

श्री विजय पुरम, 3 मई।

शिक्षा, पुस्तकें पढ़ने और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों के एक भाग के रूप में, दक्षिण अण्डमान की टुसनाबाद ग्राम पंचायत में एक नई ग्राम पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया है। यह ग्राम पुस्तकालय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनने के लिए तैयार है, जो सूचना, शैक्षिक सामग्री और मनोरंजक पठन सामग्री तक पहुँच प्रदान करती है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सशक्त बनाना, पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना और क्षेत्र में साक्षरता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा उप निदेशक (योजना) श्रीमती अर्चना सिंह उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि ने पढ़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्राप्त करने का एक शानदार तरीका है और ग्राम पुस्तकालय न केवल युवाओं में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देती है बल्कि सामुदायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी कार्य करती है। सोनालीका प्रकाशन ने पुस्तकालय की स्थापना का समर्थन करने के लिए पुस्तकें दान की हैं और संग्रह ने पुस्तकालय के विकास को समृद्ध किया है। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र, पीआरआई सदस्य, ग्रामीण शामिल हुए और विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अवसर पर टुसनाबाद में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री एम.पी. सिंह, टुसनाबाद ग्राम पंचायत के प्रधान श्री आनंद अमृत राज और राज्य पुस्तकालय के प्रभारी श्री ए. अनबरसन भी उपस्थित थे।

राज्य पुस्तकालय का पठन अनुभाग सभी दूसरे शनिवार, साप्ताहिक अवकाश और सार्वजनिक अवकाश पर खुला रहेगा

श्री विजय पुरम, 3 मई।

आम जनता और नियमित पाठकों की बढ़ती मांग के जवाब में, श्री विजय पुरम के मिडिल प्वाइंट स्थित राज्य पुस्तकालय का पठन अनुभाग तत्काल प्रभाव से सभी दूसरे शनिवार, साप्ताहिक अवकाश (सोमवार) और सार्वजनिक अवकाश पर खुला रहेगा। शिक्षा निदेशालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि दूसरे शनिवार, साप्ताहिक अवकाश (सोमवार) और सार्वजनिक अवकाश पर कार्य समय सुबह 10.30 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। सामान्य कार्य दिवसों पर, राज्य पुस्तकालय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा।

भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों की एंट्री पर प्रतिबंध, डाक सेवाएं भी निलंबित

नई दिल्ली, 03 मई।

भारत सरकार के नौवहन महानिदेशालय ने किसी भी पाकिस्तानी जहाज के भारत के किसी भी बंदरगाह पर ठहरने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही किसी भी भारतीय जहाज को पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने से रोक लगा दी है।

मर्चेंट शिपिंग एक्ट, 1958 की धारा 411 के तहत आज आदेश (3 मई 2025) जारी किया गया और यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। नौवहन महानिदेशालय का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय हित, भारतीय समुद्री परिसंपत्तियों, माल और बंदरगाही अवसंरचना की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। आदेश में कहा गया है कि किसी विशेष मामले में छूट की आवश्यकता होगी तो उसका मूल्यांकन अलग से किया जाएगा।

वहीं, संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने एक सार्वजनिक सूचना जारी की है, जिसमें पाकिस्तान से आने वाली सभी श्रेणियों की इनबाउंड डाक और पार्सल सेवाओं को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। यह रोक वायु और सतह दोनों मार्गों से लागू होगी। सरकार के इस फैसले के बाद अब पाकिस्तान से कोई पत्र, पार्सल या अन्य डाक सामग्री भारत नहीं आ सकेगी।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना को रद्द करने, पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को निष्कासित करने, सिंधु जलसंधि को निलंबित करने और अटारी बॉर्डर पर इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट को बंद करने जैसे कदम हैं। अब भारत ने पाकिस्तान से होने वाले ट्रेड पर भी अगले आदेश तक पूरा प्रतिबंध लगा कर पड़ोसी देश को करारा झटका दिया है।

कम्युनिटी रेडियो सिर्फ मीडिया नहीं, सशक्तिकरण की प्रक्रिया है—मंत्री

नई दिल्ली, 03 मई।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो सिर्फ मीडिया नहीं, बल्कि यह शासन की सक्रियता के साथ ही व्यवहारिक सशक्तिकरण है। यह सम्मेलन केवल एक विचार—विमर्श मंच नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ों का उत्सव है। वास्तविक, प्रामाणिक और जमीनी आवाजें जो उन स्थानों से उठती हैं, जहां मुख्यधारा की मीडिया अक्सर नहीं पहुंचती। वह भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के सहयोग से मुंबई में शनिवार को आठवें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन मंत्रालय की प्रमुख पहल वर्ल्ड आडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट—2025 (वेव्स) के अंतर्गत आयोजित हुआ।

डॉ. मुरुगन ने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सामुदायिक रेडियो की भूमिका की सराहना की और इसे हाशिए पर रह रहे समुदायों के लिए एक जीवनरेखा और लोकतंत्र की सच्ची भावना बताया। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल संचार में वैश्विक लीडर है। देश भर में 531 से अधिक सामुदायिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं। सम्मेलन की प्रमुख विशेषता 10वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों का वितरण भी रहा, जिसमें 12 उत्कृष्ट रेडियो स्टेशनों को सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक प्रभाव में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. एल. मुरुगन ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार, समावेशिता और प्रभाव के माध्यम से भारत में सामुदायिक मीडिया को मजबूत करना है। ये स्टेशन महिलाओं, आदिवासी जैसे विभिन्न समुदायों और समूहों के लिए कल्याणकारी गतिविधियों का एक नया आयाम दे रहे हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव पृथुल कुमार ने कहा कि 531 से अधिक कार्यरत स्टेशनों के साथ, कम्युनिटी रेडियो अब जमीनी संचार की जीवनरेखा बन चुका है। यह लोगों को उनकी अपनी भाषा और बोली में जोड़ता है, स्थानीय मुद्दों को संबोधित कर परिवर्तन लाता है। अब तक 176 स्टेशनों को वित्तीय सहायता दी जा चुकी है और 50 से अधिक प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पूर्वी, दक्षिणी और उत्तरी भारत में तीन क्षेत्रीय सम्मेलनों की घोषणा की तथा सौर ऊर्जा अनुदानों के माध्यम से स्टेशनों की टिकाऊ संचालन प्रणाली को बढ़ावा देने की योजनाएं साझा कीं।

स्वराज द्वीप वन प्रभाग ने स्कूली बच्चों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया

श्री विजय पुरम, 3 मई।

स्वराज द्वीप वन प्रभाग ने संरक्षण और जागरूकता पहल के तहत 24 से 27 अप्रैल, 2025 तक स्वराज द्वीप में माध्यमिक विद्यालय स्तर तक के स्कूली बच्चों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ समुद्र में कछुओं के बच्चों को छोड़ते हुए देखा—यह समुद्री संरक्षण में एक महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक घटना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को समुद्री कछुओं के जीवन चक्र, उनके सामने आने वाली चुनौतियों और समुद्री जैव विविधता को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। वन विस्तार और प्रचार प्रभाग के डीएफओ की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि, इंटरैक्टिव सत्रों और प्रदर्शनों ने छात्रों को पारिस्थितिक संतुलन और आवासों को संरक्षित करने के महत्व की समझ में सुधार किया। बाद में, स्वराज द्वीप वन प्रभाग के कर्मचारियों की देखरेख में, छात्रों ने कछुओं के बच्चों को समुद्र में छोड़ने में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी में ज़िम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना पैदा करना था।

स्कूली बच्चों के लिए 13 मई से शुरू होंगी निःशुल्क ग्रीष्मकालीन हॉबी कक्षाएं

श्री विजय पुरम, 3 मई।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का शिक्षा विभाग, श्री विजय पुरम स्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 13 मई से 17 जून, 2025 तक कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक के स्कूली विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन हॉबी कक्षाएं 2025 आयोजित करेगा। महीने भर चलने वाले इस कार्यक्रम में समृद्ध भारतीय संस्कृति एवं कलाओं की समझ विकसित की जाएगी तथा प्रतिभागियों को अपनी रुचि के कला रूपों के क्षेत्र में चमकने का अवसर मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को संगीत, नृत्य, चित्रकारी एवं शिल्प के क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है, साथ ही एक संरचित एवं आनंददायक वातावरण में उनके आत्मविश्वास एवं प्रदर्शन कौशल को बढ़ाना है।

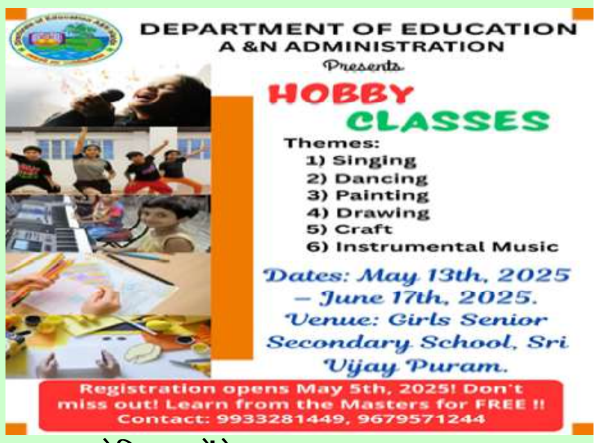

शिविर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्री विजय पुरम स्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर सभी प्रतिभागियों के लिए एक मज़ेदार और प्रभावी शिक्षण अनुभव सुनिश्चित करने के लिए इंटरैक्टिव पाठ, व्यावहारिक प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से आकर्षक सत्र आयोजित करेंगे।

शिक्षा विभाग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक छात्रों या अभिभावकों को श्री विजय पुरम स्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नामित प्रतिनिधि से संपर्क करके पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और पंजीकरण 5 मई, 2025 से शुरू होगा। किसी भी स्पष्टीकरण/सहायता के लिए समन्वयक से मोबाइल 9933281449/9679571244 पर संपर्क करें।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स—2025 में अण्डमान तथा निकोबार साइक्लिंग टीम भी

श्री विजय पुरम, 3 मई।

अण्डमान तथा निकोबार साइक्लिंग टीम आगामी खेलो इंडिया यूथ गेम्स—2025 में भाग ले रही है। पहले दल में इस केंद्र शासित प्रदेश से सात साइकिल चालक और दो अधिकारी शामिल हैं। वे 4 मई, 2025 को श्री विजय पुरम से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां वे 6 मई से 8 मई, 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे।

सहायक निदेशक (खेल) से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष चार साइकिल चालकों का चयन वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से किया गया है और तीन खिलाड़ियों का चयन सीधे एनएसएफ से किया गया है। इस अवसर पर सहायक निदेशक (खेल) श्री बिश्वनाथ सेन ने साइकिल चालकों से मुलाकात की और उन्हें असाधारण प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्हें आगामी खेल में पदक जीतने और द्वीप समूह का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल प्रशिक्षण केंद्र, श्री विजय पुरम के केंद्र प्रभारी श्री मोहम्मद सादिक़ ने भी खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया।

स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न खेलों में निःशुल्क कोचिंग समर कैंप

श्री विजय पुरम, 3 मई।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का खेल विभाग स्कूली बच्चों के लाभ के लिए ग्रीष्मावकाश—2025 के दौरान निःशुल्क कोचिंग समर कैंप आयोजित करेगा, ताकि वे अपनी क्षमता का सदुपयोग कर सकें। कोचिंग कक्षाएं विभिन्न खेलों जैसे एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, साइकिलिंग, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और वॉलीबॉल के लिए आयोजित की जाएंगी। इच्छुक छात्र संबंधित खेल के कोच के पास अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। किसी भी प्रश्न के लिए, वे नीचे दिए गए खेल के अनुसार कोच से संपर्क कर सकते हैं:

क्र. सं.	खेल का नाम	कोच का नाम	संपर्क नंबर	कोचिंग का समय
1.	एथलेटिक्स	श्रीमती शामली बैरागी	9531807157	सुबह 5.30 से रात्रि 8 बजे शाम 3.30 से शाम 5.30 बजे
2.	तीरंदाजी	श्री एन. उमर फारूक़	8900923776	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3.30 से शाम 5.30 बजे
3.	बैडमिंटन	श्री उदय कुमार	9474295025	सुबह 5.30 से सुबह 7.30 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
4.	बास्केटबॉल	श्री जी. नागेश राव	7063974074	सुबह 6 से रात्रि 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
5.	क्रिकेट	श्री अनिमेष लाल	9476022025	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
6.	साइकिलिंग	श्री एस. सेनगुप्ता	9476081707	सुबह 6.30 से रात्रि 9.30 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
7.	फुटबॉल	श्री सईद मीरान	9476073786	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
8.	हॉकी	श्री आसमां बेसरा	9474229201	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
9.	टेबल टेनिस	श्री अब्दुल नाज़िम	9434281635	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे
10.	वॉलीबॉल	श्री अब्दुल ख़ालिद	9434290640	सुबह 6 से सुबह 8 बजे शाम 3 से शाम 5.30 बजे

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन—229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

क्र.सं. **कार्य का नाम**

1 एन. आई. टी. संख्या : क.अ. / पी आर आई / एस ए डी– I / आर आर (सीसीए) / 2024–25 / 208

समिति द्वारा एमपीएलएडी के तहत स्टीवर्टगंज ग्राम पंचायत फरारगंज तहसील के अंर्तगत टापू बस्ती में रांची बस्ती सामूदायिक भवन से माता मंदिर तक सड़क का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 18,71,798 / –, धरोहर राशि : रु. 37,436 / –, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500 / –, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13 / 05 / 2025 के अपराहन 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andaman.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_18475_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

क्र.सं. **कार्य का नाम**

1 एन. आई. टी. संख्या : क.अ. / पी आर आई / एस ए डी– I / आर आर (सीसीए) / 2024–25 / 212

समिति द्वारा बम्बूफ्लाट– I, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड न. 09 पर स्वर्गीय करीम के घर से मछली मार्केट तक सी सी ड्रेन की मरम्मत एवं रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 11,43,288 / –, धरोहर राशि : रु. 22,866 / –, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500 / –, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 13 / 05 / 2025 के अपराहन 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andaman.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_18489_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

पूर्वोत्तर को मिला खेलों का नया तोहफा, अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में बना 'खेलो इंडिया मल्टीपरपज हॉल'

नई दिल्ली, 03 मई।

पूर्वोत्तर भारत के खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में 'खेलो इंडिया मल्टीपरपज हॉल' का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्य के मंत्री केंटो जिनी और न्यातो डुकम के साथ–साथ विधायक रोटॉम तेबिन भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विजन को दर्शाती है कि देश के हर कोने की प्रतिभा को पहचान मिलनी चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के युवाओं में असीम संभावनाएं हैं और इस प्रकार की सुविधाओं से वे खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय युवाओं और खिलाड़ियों से बातचीत भी की और उन्हें इस सुविधा का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवाओं से फिटनेस, खेल और अनुशासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। इस कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के प्रतिनिधि और कई स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

यह आधुनिक मल्टीपरपज हॉल केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह वित्तपोषित है और इसकी लागत 8 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षण मंच प्रदान करना है।

इस हॉल में बॉक्सिंग, बैडमिंटन, जूडो, वुशु, कराटे, ताइक्वांडो, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल जैसे कई इनडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे पूर्वोत्तर के युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल ट्रेनिंग मिल सकेगी और वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे।

भारत और यूरोपीय संघ 2025 के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने पर सहमत

नई दिल्ली, 03 मई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक ने 2025 के अंत तक भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को पूरा करने के लिए अपनी साझा सहमति व्यक्त की है।

ब्रसेल्स में बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने आपसी सम्मान की भावना से लंबित मुद्दों को सुलझाने के अपने उद्देश्य को दोहराया। इसमें 12–16 मई को नई दिल्ली में होने वाली अगली बैठक भी शामिल है।बयान में कहा गया है कि यह प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा इस साल फरवरी में यूरोपीय संघ के आयुक्तों के दिल्ली दौरे के दौरान दी गई रणनीतिक दिशा पर आधारित है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, "आज यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ मेरी बातचीत प्रोडक्टिव रही। हमने 2025 के अंत तक भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता को समाप्त करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।"

सिर्फ छोले–भटूरे ही नहीं, उत्तर भारत आकर इन जायकों को भी जरूर करें ट्राई

नई दिल्ली, 03 मई।

दिल्ली की एक बात बड़ी खास है। यहां जेब में थोड़े–पैसे भी हो ना, तो आप अच्छा खाना खा सकते हैं। तरह–तरह के स्ट्रीट फूड्स, वो भी बेहद कम पैसों में। खानपान की दुकानों पर तो सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटने लगती है। नाश्ते में यहां के लोग छोले–भटूरे, ब्रेड पकौड़े जैसी चीज़ें खाना पसंद करते हैं, तो शाम को चाय के साथ समोसे लेना। तो अगर आप किसी भी काम से नार्थ इंडिया की सैर पर आएं, तो यहां की कुछ डिशेज को तो जरूर चखें। तो इन डिशेज़ को अपनी लिस्ट में कर लें शामिल।

राजमा चावल– राजमा चावल उत्तर भारत की एक और फेमस डिश है जो प्रोटीन से भरपूर है और खाने में भी स्वादिष्ट है। नार्थ इंडिया की फेमस नॉन वेजिटेरियन डिश राजमा चावल को तैयार करने के लिए सबसे पहले राजमा को रात भर पानी में भिगोया जाता है और धीमी आंच में मसालों से बनी हुई ग्रेवी में पकाया जाता है। यदि आप मसालेदार खाने से दूर कुछ हल्का फुल्का खाना चाहते है तो राजमा चावल की गरमा गरम थाली से बेहतर और क्या हो सकता है? बता दे राजमा चावल नार्थ इंडिया की एक ऐसी डिश है जो आपको गली पे लगने वाले ठेलों से लेकर रेस्टोरेंट्स और ढाबों में हर कही खाने के मेन्यु में देखने को मिलेगी।

मक्के दी रोटी और सरसों दा साग– मक्के दी रोटी और सरसों दा साग उत्तर भारतीय की सबसे पसंदीदा डिशेज है। वैसे तो इसे खाने का असली मज़ा सर्दियों में आता है लेकिन ये नॉर्मली हर होटल, रेस्टोरेंट के मेन्यू में मिल जाएगा। मतलब सीज़न सर्दी का हो, गर्मी या बरसात, ये डिश हमेशा अवेलेबल रहती है। सरसों की साग के साथ घी लगी मक्के की रोटी को लस्सी के गिलास के साथ सर्व किया जाता है। टेस्टी ही नहीं उत्तर भारत की ये डिश हेल्थ के लिए भी काफी अच्छी होती है।

स्टफ्ड पराठा– आलू से लेकर गोभी, मूली, पनीर और भी कई दूसरी सब्जियों से भरे पराठे का जो स्वाद आपको नार्थ इंडिया में मिलेगा, गारंटी है वैसे शायद ही कहीं और। पुरानी दिल्ली में तो एक गली ही खासतौर से पराठों के लिए मशहूर है। इस पराठे वाली गली में तो आपको इतने वैराइटी के पराठे मिलेंगे, जिन्हें खाने से पेट ही भरता है मन

नहीं। करेले, पापड़, गाजर, मेथी के पराठों का कोई जवाब नहीं, लेकिन मावा पराठा खाने के लिए भी थोड़ी जगह रखें क्योंकि ये है बिल्कुल अलग और बहुत टेस्टी।

दाल कचौड़ी– सुबह–सुबह यहां की ज्यादातर दुकानें कचौड़ियों से सज जाती हैं। यहां दाल कचौड़ी सबसे ज्यादा खाई जाती है। जिसे आलू–टमाटर की चटनी और कई जगहों पर हरी–लाल चटनी के साथ सर्व किया जाता है। तीखी, चटपटी कचौड़ी के बाद करारी जलेबियों का कॉम्बिनेशन तो कोई और बीट ही नहीं कर सकता। रंहतंद

समोसा– हां, नार्थ इंडियन फूड्स में समोसे को कैसे भूल सकते हैं। शाम की चाय के साथ नाश्ते में यहां सबसे ज्यादा समोसे ही खाए जाते हैं। आलू की स्टफिंग और मैदे की कोटिंग वाला इस स्नैक्स का मज़ा आप दिल्ली की ज्यादातर जगहों पर ले सकते हैं। कई जगहों पर इसे छोटे के साथ सर्व किया जाता है।

चाट– बड़े–बड़े तवों पर आलू की सिकती हुई टिक्की की खुशबू मुंह में पानी ला देती है। तो एक और जायकेदार डिश, जिसे आपको नार्थ इंडिया आकर जरूर ट्राई करना चाहिए, वो है चाट। आलू की टिक्की को गरमा–गरम छोले, कटे प्याज, टमाटर, हरी चटनी और दही के साथ सर्व किया जाता है। इसे खाने का मजा ही तब आता है जब मुंह से सी–सी की आवाज निकले।

इनके अलावा बटर चिकन, चिकन मसाला, कढ़ी–चावल, छोले–कुलचे, स्टड नॉन जैसी डिशेज़ के साथ लिस्ट बहुत लंबी है। तो इसे एक्सप्लोर करना पूरी तरह आपके ऊपर है। बस पेट के साथ सेहत का भी ध्यान रखें।

इतिहास के पन्नों में 04 मईः याद आ गई देश की पहली महिला जज अन्ना चांडी की कहानी

नई दिल्ली, 03 मई।

देश–दुनिया के इतिहास में 04 मई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। इसी तारीख को 1905 में देश की पहली महिला जज का जन्म हुआ था। केरल के त्रिवेंद्रम में जन्मीं अन्ना चांडी ने 1926 में त्रिवेंद्रम के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री ली। कानून की डिग्री लेने वाली वे केरल की पहली महिला थीं। 1929 से उन्होंने वकालत शुरू की। 1930 में 'श्रीमती' नाम से एक पत्रिका शुरू की, जिसमें महिलाओं की आजादी, विधवा विवाह और महिलाओं से जुड़े तमाम मुद्दों पर लिखने लगीं।

साल 1931 में उन्होंने सक्रिय राजनीति में हिस्सा लेने का फैसला किया। अन्ना श्री मूलम पापुलर असेंबली के चुनाव में उतरीं। उनके विरोधियों को एक महिला का चुनाव लड़ना पसंद नहीं आया। उन पर तरह–तरह के आरोप लगाए गए और चरित्र पर उंगलियां उठाई गईं। पोस्टर छपवाकर उनका दुष्प्रचार किया गया। नतीजा ये हुआ कि अन्ना हार गईं। लेकिन वे इतनी आसानी से हार नहीं मानने वाली थीं। अगला चुनाव वो फिर लड़ीं और इस बार जीतीं।

1937 में त्रावणकोर के दीवान ने उन्हें मुंसिफ नियुक्त किया। इसके साथ ही देश की पहली महिला जज बन गईं। यहां से अन्ना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1948 में वो जिला जज बन गईं। 09 फरवरी 1959 को अन्ना केरल हाई कोर्ट की जज बनाई गईं। इसके साथ वे भारत के किसी भी हाईकोर्ट की पहली महिला जज बनीं। 05 अप्रैल 1967 तक वो इस पद पर रहीं। यहां से रिटायर होने के बाद उन्हें लॉ कमीशन ऑफ इंडिया में नियुक्ति दी गई। 20 जुलाई 1996 को 91 साल की उम्र में जस्टिस चांडी का निधन हो गया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1780: अमेरिकी कला एवं विज्ञान अकादमी की स्थापना।

1818: नीदरलैंड और ब्रिटेन ने गैरकानूनी दास व्यापार के खिलाफ समझौता किया।

1846: अमेरिकी प्रांत मिशिगन में मृत्युदंड को खत्म किया गया।

1854: भारत का पहला डाक टिकट आधिकारिक रूप से

जारी।

1897: फ्रांस में पेरिस बाजार में आग लगने से करीब 200 लोगों की मौत।

1927: अमेरिका में फिल्म कला अकादमी (मोशन पिक्चर आर्ट्स एकेडेमी) की स्थापना। इसने ऑस्कर पुरस्कार देने शुरू किए।

1931:अतातुर्क मुस्तफा कमाल पाशा तुर्की के राष्ट्रपति बने।

1945: जर्मनी की सेना ने नीदरलैंड, डेनमार्क और नार्वे में आत्मसमर्पण किया।

1959: पहला ग्रेमी अवॉर्ड्स आयोजित।

1975: द किड और ग्रेट डिक्टेटर (मूक फिल्मों) के स्टार चार्ली चैपलिन को बकिंघम पैलेस में नाइट की उपाधि प्रदान की गई।

1979: मार्गरेट थैचर ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।

1980: जिम्बाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे ने चुनाव में भारी जीत हासिल की और प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति बने।

1983: चीन ने परमाणु परीक्षण किया।

1987: अमेरिका का पहला बैंक नेशनल हिस्टोरिक लैंडमार्क नाम से सूचीबद्ध हुआ।

1989: अमेरिकी अंतरिक्ष यान एफटीएस–30 का प्रक्षेपण।

2007: बैंकॉक में ग्लोवल वार्मिंग पर बैठक।

भारत में सबसे पहले मिर्च लेकर कौन आया था, जानिए कैसे ये भारत की कई डिश का हिस्सा बन गई?

नई दिल्ली, 03 मई।

हिंदुस्तान सभ्यता और संस्कृति का देश है. खानपान, विरासत और इतिहास हिंदुस्तान की शोभा रही है. हम खाने पीने की कई चीज़ों के इतिहास को लेकर बात करेंगे जो हमारे आपके रोजमर्रा में इस्तेमाल तो होती है लेकिन खानपान की उन्हीं चीजों के बैकग्राउंड को जानकर आप चौंक सकते हैं.

जब कभी आपके दिमाग में अगर मुगलिया खाने का ख्याल आता है तो झट से आप तेल मसाले और मिर्च के बारे में सोचने लगते होंगे..मगर ये भ्रम भी दूर किए देते हैं. वास्तव में मिर्च और हल्दी जैसे मसाले मुगल काल में थे ही नहीं. जी हां, बिरयानी से लेकर हर एक शाही मुगल पकवान आखिरी मुगल शासक तक बना हल्दी मिर्च के हुआ करता था. क्योंकि उन्हें इनकी जानकारी ही नहीं थी.

दक्षिण अमेरिका में मिर्च की कई सौ प्रजातियां उपजाई जाती हैं, अलग अलग रंग और टेस्ट के मिर्च होते हैं वहां. पुर्तगाल जब भारत आए तो साथ में मिर्च भी लेते आए, बात हुई आकर जहां बसे वो इलाका अब मुंबई कहलाता है. वहां जो भी आस पास की बस्ती थी वहां के लोग पुर्तगालियों के यहां काम करने लगे.उन्होंने जब मिर्च चखा तो उसको खाने में लाना शुरू किया. बाद में 18वीं शताब्दी में मराठा दिल्ली आए तो उनके साथ सही मायने में मिर्च भारत के हर इलाकों में पहुंची.

फिर गुजरात, राजस्थान और भी कई जगहों पर बोई गई. आज मिर्च हर खाने की सबसे शोभा और जायका का अहम हिस्सा है. तोरई की खेती अफ्रीका से भारत आई. बीन्स भी अफ्रीका से फ्रांस और फ्रांस से भारत में आकर फ्रेंच बीन कहलाने लगा. शिमला मिर्च भी साउथ अमेरिकी की पैदाइश है भारत में उसे शिमला मिर्च इसलिए कहते हैं क्योंकि यहां उसका सबसे पहला पैदावार शिमला में ही हुई थी.

बदलते वक्त और सदी के साथ कई खाने–पीने की कई चीजें एक दूसरी संस्कृति से मिलती चली आई. इसलिए कहते भी हैं की सभ्यता एक साझी विरासत है. ट्रैवल करना सभ्यता और संस्कृति के गुण रहे हैं.

अंतरिक्ष में हैं कितने स्पेस स्टेशन और कितने करते हैं काम?

नई दिल्ली, 03 मई।

स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में मानव द्वारा निर्मित किया गया ऐसा स्टेशन होता है, जिससे पृथ्वी से कोई अंतरिक्ष यान जाकर मिल सकता है. साधारण भाषा में समझें तो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक बड़ा अंतरिक्ष यान है. जो पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा करता है. यह एक ऐसा घर है जहां अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं.

अंतरिक्ष स्टेशन एक विज्ञान प्रयोगशाला भी है. इसे बनाने में कई देशों ने मिलकर काम किया. वो इसका उपयोग करने के लिए मिलकर काम भी करते हैं.

सबसे पहले सोवियत रूस ने 1971 में अंतरिक्ष में एक स्पेस स्टेशन स्थापित किया था. सोवियत रूस द्वारा इसका नाम सल्युत रखा गया था.

इसके दो साल बाद अमेरिका ने स्काईलैब नाम से स्पेस स्टेशन को अंतरिक्ष में स्थापित किया था. बता दें अब तक

कुल 11 स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में स्थापित किए जा चुके हैं.

हालांकि फिलहाल दो ही स्पेस स्टेशन काम कर रहे हैं. जिनमें नासा का स्पेस स्टेशन आईएसएस और चीन का तियांगगोंग स्पेस स्टेशन शामिल है.

वहीं भारत के स्पेस स्टेशन की बात करें तो वहां फिलहाल हमारे देश का कोई स्पेस स्टेशन काम नहीं कर रहा है.

क्यों कहा जा रहा है कि चीन से आने वाला लहसुन है खतरनाक? इसे बनाने का प्रोसेस जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 03 मई।

आज के वक्त खाने से जुड़े सभी चीजों में मिलावट हो रही है. फल से लेकर सब्जियों तक में तेजी से मिलावट हो रही है. इतना ही नहीं ज्यादा पैदावार के लिए फल–सब्जियों में हानिकारक केमिकल्स का उपयोग किया जा रहा है. लेकिन आज हम आपको चीनी लहसुन के बारे में बताने वाले है, जिसको बनाने के लिए खतरनाक केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है. जानिए कैसे तैयार होता है, ये चीनी लहसुन.

बता दें कि चाइनीज लहसुन में कई तरह के हानिकारक केमिकल्स का उपयोग किया जाता है. वहीं चाइनीज लहसुन को उगाने में मेटल, लेड और क्लोरीन का उपयोग किया जाता है. ऐसे में आपको सावधान होने की जरूरत है कि कहीं आप भी चाइनीज लहुसन का सेवन तो नहीं करते हैं. बता दें कि मार्केट में बिकने वाला नकली लहसुन कई लोगों के घरों में खाया जा रहा है. कुछ लोगों को ये पता भी नहीं है कि वो जिसे लहसुन समझकर खा रहे हैं वो नकली लहसुन है. क्योंकि चाइनीज लहसुन का स्वाद बिल्कुल असली लहसुन के जैसा ही होता है. इसलिए कुछ लोग इसमें आसानी से फर्क नहीं कर पाते हैं. ये लहसुन दिखने में ज्यादा सफेद और इसकी कलिया ज्यादा मोटी

होती हैं. इस लहसुन को छीलना भले ही आसान होता, लेकिन ये सेहत के लिए हानिकारक साबित होती हैं. इस तरह का लहसुन खाने से नर्वस सिस्टम से जुड़ी गंभीर बीमारियां और यहां तक कि कैंसर का खतरा भी बढ़ता है.

मार्केट में मौजूद ज्यादा सफेद और मोटा लहसुन बिक रहा है, उसे खरीदने से बचने की जरूरत है. देसी लहसुन की कलियां थोड़ी छोटी होती हैं और इनमें दाग–धब्बे भी नजर आते हैं. हालांकि इनका छिलका उतना सफेद नहीं होता है. वहीं असली लहसुन की पहचान करने के लिए लहसुन पलट कर देखना चाहिए. इसके निचले हिस्से में अगर दाग सा दिखाई देता है, तो ये असली लहसुन है.

Sarvam AI, जिसे मिली भारत का चैटजीपीटी बनाने की जिम्मेदारी, 10,000 करोड़ के एआई मिशन का हिस्सा

नई दिल्ली, 03 मई।

भारत सरकार ने बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप 'सर्वम एआई' को देश का पहला स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित लार्ज लैंग्वेज मॉडल विकसित करने का कार्य सौंपा है. 67 प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद चुनी गई इस कंपनी को सरकार की ओर से अत्याधुनिक कंप्यूटिंग संसाधन, विशेष रूप से हाई–पावर जीपीयू, मुहैया कराए जाएंगे, ताकि ये मॉडल पूरी तरह भारत में विकसित हो सके.

ये पहल 10,370 करोड़ रुपये के 'इंडिया एआई मिशन' के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारत को एआई के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाना है. 'सर्वम' पहला स्टार्टअप है जिसे इस योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन मिला है. सरकार द्वारा अब भी अन्य प्रतिभागियों के प्रस्तावों की समीक्षा की जा रही है.

सर्वम एआई ने स्पष्ट किया है कि उनका विकसित किया जा रहा मॉडल भारतीय भाषाओं को गहराई से समझेगा, वॉयस–बेस्ड इंटरफेस के अनुरूप होगा और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाएगा. इसका उद्देश्य देश के नागरिकों को एक ऐसा तकनीकी समाधान प्रदान करना है, जो पूरी तरह से भारतीय संदर्भ के अनुकूल हो.

सरकार की योजना के अनुसार, सर्वम को 6 महीनों के लिए 4,000 जीपीयू की सुविधा दी गई है. ये जीपीयू उन कंपनियों से उपलब्ध कराए जाएंगे जिन्हें भारत में एआई डाटा सेंटर्स स्थापित करने के लिए चयनित किया गया है. इस मजबूत तकनीकी आधार के जरिए सर्वम अपने एआई मॉडल को तेजी से ट्रेन और डेप्लॉय कर सकेगा.

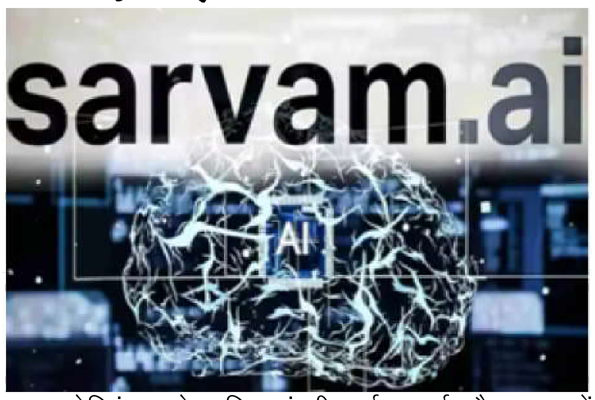

इन वेरिएंट्स के जरिए कंपनी कई यूजर्स और जरूरतों के हिसाब से समाधान प्रदान करेगी. ये कदम भारत को एआई तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा योगदान देगा.

इसी बीच, चीन का ओपन–सोर्स मॉडल DeepSeek भी चर्चाओं में बना हुआ है, जिसने अपनी कम लागत और प्रभावी प्रदर्शन के जरिए वैश्विक एआई बाजार में हलचल मचा दी है. DeepSeek की सफलता ने अमेरिका की बड़ी एआई कंपनियों और चिप निर्माता NVIDIA जैसी दिग्गजों के लिए भी चुनौती पेश की है.

सर्वम के सह–संस्थापक विवेक राघवन ने कहा कि कंपनी की कोशिश है कि वो जमीनी स्तर से मल्टी–मॉडल और मल्टी–स्केल एआई मॉडल विकसित करें ताकि देश के नागरिकों को ऐसी तकनीक मिले जो विदेशी नहीं बल्कि अपने जैसी लगे.

सीबीएसई का बड़ा फैसला! अब पहले मिलेगी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी, फिर होगा री–इवैल्यूएशन!

नई दिल्ली, 03 मई।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की तरफ से बेहद जल्द ही 10वीं और 12वीं क्लास का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा. नतीजों को लेकर लाखों स्टूडेंट्स इंतजार में हैं. इन छात्रों का इंतजार अब कभी भी खत्म हो सकता है. लेकिन बोर्ड ने रिजल्ट जारी करने की तारीख से पहले एक बड़ा फैसला लिया है. आइए जानते हैं क्या है वह निर्णय...

दरअसल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के बाद होने वाली पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है. यह बदलाव छात्रों को अधिक पारदर्शिता और आत्मनिर्भरता देने के उद्देश्य से किया गया है. अब छात्र सबसे पहले अपनी जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी देख पाएंगे और उसके बाद ही वे अंकों के सत्यापन या री–इवैल्यूएशन के लिए आवेदन कर सकेंगे.

नई प्रणाली के तहत, छात्र सबसे पहले सीबीएसई से अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करेंगे. इसके बाद वे यह देख सकेंगे कि किस उत्तर के लिए कितने अंक मिले हैं और किस प्रश्न में कितनी कटौती हुई है. यह पारदर्शिता उन्हें यह तय करने में मदद करेगी कि अंकों के सत्यापन या री–इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करना है या नहीं.

नई प्रक्रिया में तीन मुख्य चरण होंगे
उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करें.
अंकों का सत्यापन कराएं (यदि जोड़ या अंक दर्ज करने में गलती हो).
री–वैल्यूएशन के लिए आवेदन करें (यदि उत्तरों के मूल्यांकन पर संदेह हो).

पहले छात्रों को सबसे पहले अंकों के सत्यापन के लिए आवेदन करना होता था. उसके बाद वे फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते थे और फिर अंतिम चरण में री–इवैल्यूएशन की प्रक्रिया शुरू होती थी. लेकिन अब यह बदल दिया गया है ताकि छात्र पहले ही यह समझ सकें कि उन्हें अंक क्यों और कैसे मिले हैं. सीबीएसई का कहना है कि यह बदलाव छात्रों को अधिक स्पष्टता देने और मूल्यांकन संबंधी भ्रम को कम करने के लिए किया गया है. इससे छात्रों को री–इवैल्यूएशन का सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी.

भारत का एक और सख्त एक्शन, पाकिस्तान से आयात पर पूरी तरह लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 03 मई।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है. सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक रणनीति को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान से आयात पर बैन लगा दिया है. भारत सरकार ने पाकिस्तान में पैदा होने वाली या वहां से आने वाली सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है. यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है, चाहे वो वस्तुएं स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या विशेष अनुमति से आयात होती रही हों. भारत ने आयात बैन करने से जुड़े फैसले से ये स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को शह देता रहेगा, तब तक उससे कोई प्रकार का सहयोग नहीं किया जाएगा चाहे वह व्यापारिक हो या कूटनीतिक. इस फैसले का पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ने वाला है. पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही भारी संकट में है. भारत से आयात पर प्रतिबंध लगने से पाकिस्तान के कुछ उद्योगों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, विशेषकर उन पर जो भारत पर निर्भर थे. पाकिस्तान से सीधे आयातित वस्तुओं में सीमेंट, ड्राई फ्रूट शामिल है. इसमें ई–कॉमर्स से मंगाई गई पाकिस्तानी वस्तुएं भी शामिल है. इसका मतलब है कि अब किसी भी माध्यम से भारत में पाकिस्तानी वस्तु नहीं आ सकेगी.

भारत में युवा और बुजुर्ग मध्यम आयु वर्ग के लोगों की तुलना में अधिक बेहतर जीवन जी रहे–सर्वे

नई दिल्ली, 03 मई।

भारत में युवा और बुजुर्ग मध्यम आयु वर्ग के लोगों की तुलना में अधिक समृद्ध हो रहे हैं। 22 देशों के दो लाख से अधिक लोगों पर किए गए एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय और जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए ग्लोबल लोरिशिंग स्टडी का मकसद किसी व्यक्ति और समुदाय के कल्याण को नियंत्रित करने वाले कारकों को समझना है। समृद्धि को ऐसी स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें व्यक्ति के जीवन के सभी पहलू अच्छे हों। इस अध्ययन के निष्कर्ष नेचर पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, स्वीडन और अमेरिका सहित कई देशों में उम्र के साथ विकास की प्रवृत्ति बढ़ती है, लेकिन सभी देशों में ऐसा नहीं है। भारत, मिस्त्र, केन्या और जापान में पैटर्न कुछ हद तक यू आकार के हैं। लोगों से खुशहाली के पहलुओं जैसे खुशी, स्वास्थ्य, अर्थ और रिश्तों के साथ–साथ जनसांख्यिकीय, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक कारकों और बचपन के अनुभवों के बारे में पूछा गया। दुनिया भर

में पुरुषों और महिलाओं ने समान पैटर्न की सूचना दी।

अधिकांश देशों में विवाहित लोगों की समृद्धि अविवाहित लोगों की तुलना में अधिक पाई गई। हालांकि, भारत और तंजानिया में विवाहित लोगों की समृद्धि अविवाहित की तुलना में कम पाई गई। अध्ययन में नौकरी न करने वालों की तुलना में नौकरीपेशा लोगों की खुशहाली अधिक पाई गई। भारत, जापान, इजरायल आदि में नौकरी करने की तुलना में स्वरोजगार, सेवानिवृत्त लोग और छात्र अधिक संतुष्ट पाए गए। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि दुनिया भर में युवा पहले की तरह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं।

मई के महीने में ही लगी थी दुनिया की पहली वैक्सीन, इस बीमारी के लिए बना था पहला टीका

नई दिल्ली, 03 मई।

किसी भी बीमारी से बचने के लिए वैक्सीन को सबसे प्रभावी तरीका माना जाता है। कोरोना महामारी के भयानक मंजर को शायद ही कोई भुला पाया होगा। इस दौरान सभी ने वैक्सीन के महत्व को पहचाना था। जन्म के साथ ही व्यक्ति को कई तरह की बीमारियों से बचाने के लिए अलग–अलग तरह की वैक्सीन लगाई जाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर वैक्सीन की शुरुआत कैसे हुई थी? क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे पहली वैक्सीन कब और किसने बनाई थी?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की मानें तो 1400 से 1700 के दशक तक, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने जानबूझकर स्वस्थ लोगों को चेचक यानी स्मॉलपॉक्स के संपर्क में लाकर बीमारी को रोकने का प्रयास किया है। इस प्रैक्टिस को वेरियोलेशन के नाम से जाना जाता है। कुछ स्रोतों से पता चलता है कि ये प्रथाएं 200 ईसा पूर्व से ही चल रही थीं।

वेरियोलेशन, जिसे इनोक्यूलेशन के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें लोगों को उन्हें चेचक से बचाने के लिए जानबूझकर स्मॉलपॉक्स के घाव या दाने में मौजूद पदार्थ के संपर्क में लाया जाता था। यह पदार्थ त्वचा को इंजेक्ट कर या नाक के जरिए सांस लेकर लोगों तक पहुंचाया जाता है। इसे बाद यह उम्मीद की जाती थी कि व्यक्ति को स्मॉलपॉक्स जैसा माइल्ड प्रोटेक्टिव इन्फेक्शन होगा, जो जानलेवा नहीं होगा। इस प्रक्रिया का मकसद स्मॉलपॉक्स के खिलाफ इम्युनिटी बिल्ड करना था।

इसके कई साल बाद 1796 में, इंग्लिश फिजिशियन एडवर्ड जेनर ने इस बात का पता लगाया कि काऊपॉक्स (एक बोवाइन वायरस, जो मवेशियों से इंसानों तक फैलता है) से पीड़ित लोग स्मॉल पॉक्स से बच सकते हैं। इसके लिए उन्होंने काऊ पॉक्स से संक्रमित एक दूधवाले के हाथ

में हुए घाव से पस जमा किया। इसके बाद मई 1796 में इस जमा किए गए पस को जेनर ने 8 साल के जेम्स फिप्स को टीके के तौर पर लगाया। इसके परिमाणस्वरूप वह कुछ दिनों तक बीमार रहा और कुछ दिनों बाद फिप्स पूरी तरह से रिकवर हो गए।

वैक्सीन देने को दो महीने बाद जुलाई 1796 में, जेनर ने फिप्स की प्रतिरोधक क्षमता को टेस्ट करने के लिए स्मॉलपॉक्स से पीड़ित एक व्यक्ति के घाव से निकले पस के साथ फिप्स को टीका लगाया। इसके बाद भी फिप्स बिल्कुल स्वस्थ थे और इस तरह वह चेचक यानी स्मॉलपॉक्स के खिलाफ टीका लगवाने वाले पहले इंसान बन गए हैं। स्मॉलपॉक्स के टीके की खोज के बाद टीके को बाद में वैक्सीन नाम दिया गया। गाय के लिए इस्तेमाल होने वाले लैटिन शब्द वैक्सा से ही टीके को अंग्रेजी नाम वैक्सीन दिया गया।

ये तो हुई दुनिया में वैक्सीन की खोज की बात, लेकिन अगर बात करें भारत में आई पहली वैक्सीन की, तो भारत में इस वैक्सीन की पहली डोज मई 1802 में आई। नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के मुताबिक मुबंई (तब बॉम्बे) की तीन साल की बच्ची अन्ना डस्टहॉल 14 जून, 1802 को स्मॉलपॉक्स का टीका पाने वाली भारत की पहली व्यक्ति बनीं। इसके बाद साल 1897 में डॉ हाफकिन ने भारत में पहली वैक्सीन विकसित की थी, जो प्लेग के लिए थी।

इस साल मई में रहेगा सामान्य से अधिक तापमान, उत्तर भारत में अधिक बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 03 मई।

मौसम विभाग ने कहा कि मई में देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। हालांकि कभी–कभी आंधी–वर्षा से तापमान पिछले वर्ष के गंभीर स्तर तक नहीं पहुंच पाएगा। मौसम विभाग के निदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं बंगाल के अधिकांश हिस्सों में लू चलने के दिन सामान्य (एक से चार दिन) से अधिक रहने की संभावना है।

गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी लू के दिवस सामान्य से अधिक रह सकते हैं। सामान्य तौर पर दक्षिण–पश्चिम प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के विभिन्न हिस्सों में मई में लू के दिनों की संख्या एक से तीन तक होती है।

महापात्र ने कहा कि उत्तर–पश्चिम, मध्य एवं पूर्वोत्तर भारत को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य और सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। उत्तर भारत में वर्षा सामान्य से अधिक होने की संभावना है जो दीर्घकालिक औसत 64.1 मिलीमीटर की 109 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। उन्होंने कहा मई में बार–बार आंधी–वर्षा से तापमान के 2024 के स्तर से ऊपर जाने की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के निदेशक ने बताया कि अप्रैल में लू चलने के सामान्य दो से तीन दिवसों के मुकाबले राजस्थान व गुजरात (छह से 11 दिन) और पूर्वी मध्य प्रदेश व विदर्भ (चार से छह दिवस) में लू के दिवसों की संख्या सामान्य से अधिक रही। मध्य–पूर्व भारत, महाराष्ट्र एवं उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में लू के दिवसों की संख्या एक से तीन तक दर्ज की गई, जो सामान्य दो–तीन दिवसों से थोड़ी कम है।

दिल की बीमारी से दुनियाभर में 3.5 लाख से ज्यादा मौतें, रिसर्च में हुए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली, 03 मई।

आज कल ज्यादातर घरों में प्लास्टिक का सामान इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन लोगों को यह नहीं पता की प्लास्टिक का इस्तेमाल करना शरीर के लिए कितना खराब हैं. दरसल प्लास्टिक की चीजें हमारे शरीर के लिए साइलेंट किलर बन गयी है. प्लास्टिक की वस्तुओं को बनाने में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले फैथेलेट्स के नुकसानदेह प्रभाव के कारण साल 2018 में दुनिया भर में हृदय रोग से 3.5 लाख से ज्यादा मौतें हुईं, जिनमें 55 से 64 साल उम्र वर्ग के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा थी. एक रिसर्च में यह दावा किया गया है.

'ईबायोमेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित रिसर्च में पाया गया कि सबसे ज्यादा भारत में 1,03,587 मौतें हुईं, जिसके बाद चीन और इंडोनेशिया का स्थान है. रिसर्च में यह भी पाया गया कि 3.5 लाख मौतों में से लगभग तीन चौथाई दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र में हुईं. न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के नेतृत्व में, 200 देशों और क्षेत्रों में फैथेलेट्स के दुष्प्रभावों का अनुमान लगाने के लिए जनसंख्या सर्वेक्षणों से स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी डेटा का विश्लेषण किया गया.

रिसर्च में 'डाइ–2–एथिलहेक्सिल फैथेलेट' (डीईएचपी) के प्रकार पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उपयोग खाद्य पदार्थों के कंटेनर जैसी वस्तुओं में प्लास्टिक को नरम और ज्यादा लचीला बनाने के लिए किया जाता है. मूत्र के नमूनों सहित डेटा का विश्लेषण करके फैथेलेट्स के रासायनिक विघटन के कारण बनने वाले उत्पादों की मात्रा का पता लगाया गया.

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन की एसोसिएट अनुसंधान वैज्ञानिक और रिसर्च की मुख्य लेखिका सारा हाइमन ने कहा, ''फैथेलेट्स और दुनिया भर में हुई मौतों के एक प्रमुख कारण के बीच संबंध को उजागर कर, हमारे

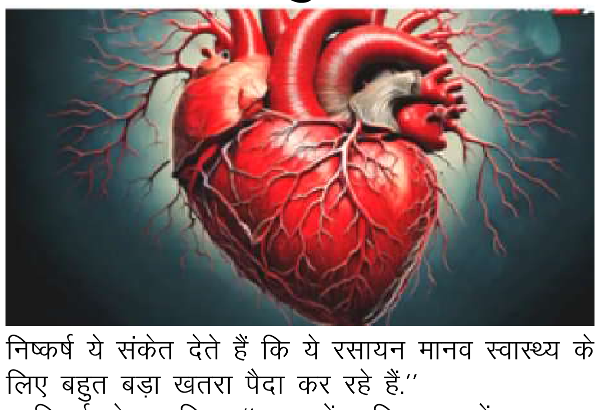

निष्कर्ष ये संकेत देते हैं कि ये रसायन मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा कर रहे हैं.''

रिसर्च के मुताबिक, ''2018 में, दुनिया भर में 3,56,238 मौतें डीईएचपी के दुष्प्रभावों के के कारण हुईं, जो 55 से 64 साल उम्र वर्ग के व्यक्तियों में सभी हृदय संबंधी मौतों का 13.49 प्रतिशत है.'' रिसर्च में यह पाया गया है कि पैथेलेट्स सूक्ष्म कणों में टूटकर मानव शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे मोटापा, प्रजनन संबंधी समस्याएं और कैंसर जैसी कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है.

एक्सपर्ट ने कहा कि इस यौगिक के संपर्क में आने से हृदय की धमनियों में सूजन पैदा हो जाती है, जो आगे चलकर दिल का दौरा पड़ने का खतरा पैदा करती है. रिसर्च में कहा गया है कि भारत में प्लास्टिक उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और प्लास्टिक कचरे और इस वस्तु के व्यापक उपयोग के कारण फैथेलेट्स के संपर्क में आने से स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो रहा है.

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन में बाल चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक लियोनार्डो ट्रासांडे ने कहा, ''हमारे परिणाम वैश्विक विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां प्लास्टिक का उपयोग ज्यादा हो रहा है''

बिना गन्ने के भी बन सकता है गन्ने का जूस? जानें गर्मियों के लिए इसकी खास रेसिपी

नई दिल्ली, 03 मई।

चुभती–जलती गर्मी का मौसम अपने चर्म पर है। ऐसे में हीट स्ट्रोक और तेज जलन के एहसास से खुद को बचाने के लिए लोग तमाम तरह की हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन करना पसंद करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी इस मौसम में खुद को गर्मी के प्रकोप से बचाने और शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखने के लिए नींबू पानी, नारियल पानी, ताजे फलों का जूस आदि पीने की सलाह देते हैं। इससे अलग गर्मी के मौसम में गन्ने के जूस को भी खूब पसंद किया जाता है। हालांकि, इसे घर पर बना पाना लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है।

खासकर शहर में रहने वाले लोगों को या तो गन्ना मिलना मुश्किल होता है या गन्ना मिल भी जाए तो बिना मशीन के इससे जूस बनाना संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में वे अपना मन मारने को मजबूर हो जाते हैं। वहीं, अगर आप भी इन्हीं लोगों में से एक हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। यहां हम आपको घर पर ही बिना गन्ने के गन्ने का स्वादिष्ट रस बनाने की आसान रेसिपी बता रहे हैं। दरअसल, ये कमाल की रेसिपी शेफ नेहा दीपक शाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की है। आइए जानते हैं बिना गन्ने के कैसे तैयार करें टेस्टी गन्ने का रस –

तैयार कर लें ये सामान– 3–4 बड़ी चम्मच गुड़ (कटा हुआ), 7–8 फ्रैश पुदीने की पत्तियां, 1 नीबू का रस, बहुत सारी बर्फ और स्वादानुसार काला नमक– कैसे करें तैयार

इसके लिए सबसे पहले एक मिक्सर में बारीक पीसा या कटा हुआ गुड़ डालें।

इसके बाद इसमें साफ धुली हुई पुदीने की पत्तियां, एक नींबू का रस, बहुत सारा बर्फ और काला नमक मिला लें।

अब, इसमें एक गिलास पानी मिलाएं और सभी चीजों

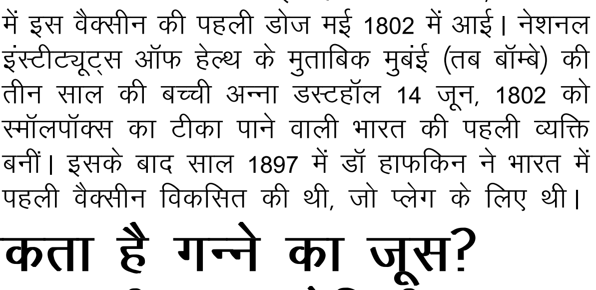

को मिक्सर में अच्छी तरह चला लें। इतना करते ही आपका स्वादिष्ट गन्ने का जूस बनकर तैयार हो जाएगा।

स्वाद से अलग बात सेहत की करें, तो इसे लेकर इंडियन एक्सप्रेस संग हुई एक खास बातचीत के दौरान क्लिनिकल आहार विशेषज्ञ गरिमा गोयल ने बताया, 'इस तरह घर पर गुड़ से बनाया गया रस घर आपको स्वादिष्ट और रीफ्रेशिंग लग सकता है। हालांकि, इसमें गन्ने के रस के समान पोषण संबंधी प्रोफाइल नहीं हो सकती है।'

डाइटिशियन बताती हैं, 'ताजे गन्ने में नेचुरल शुगर होती है, साथ ही इसमें विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम जैसे शरीर के लिए जरूरी कई विटामिन्स और मिनरल्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। वहीं, जब गन्ने से गुड़ बनाया जाता है, तो इस प्रक्रिया के दौरान इनमें से कई पोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है।'

गरिमा गोयल के मुताबिक, 'ताजे गन्ने के रस में आहारीय फाइबर होता है, जो पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है और ब्लड शुगर लेवल को भी नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। जबकी गुड़ में न्यूनतम फाइबर होता है ऐसे में भी ये गन्ने के रस से कम फायदेमंद हो जाता है।'

इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए डाइटिशियन कहती हैं, 'आप रीफ्रेशिंग फील करने और स्वाद के लिए सीमित मात्रा में गुड़ से तैयार गन्ने के जूस का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, ये ताजा गन्ने के रस के समान पोषण लाभ प्रदान नहीं कर सकता है।